दैनिक

नज़रिया खबर

भारत सरकार के डीएवीपी व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

पेज-06

RNI:UTTHIN/2008/25052

वर्ष:18 | अंक: 14 | देहरादून, रविवार 13 जुलाई, 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1/रु. प्रति

न्यूज डायरी

महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरी जी महाराज ने सीएम से की भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरी जी महाराज ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरी जी महाराज ने राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कालनेमि की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया।

उत्तरकाशी में होटल, रेस्टोरेंट में चलाया चैकिंग अभियान'

उत्तरकाशी। होटल,ढाबों व रेस्टोरेंट पर संदिग्ध अवैध अवांछनीय गतिविधियों की रोकथाम हेतु

पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन में उत्तरकाशी पुलिस द्वारा आज 12 जुलाई 2025 को 'पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार' के नेतृत्व में प्रत्येक थाना स्तर पर टीम गठित कर होटलध्रेस्टोरेंट की चौकिंग की गयी, होटलध्रेस्टोरेंट संचालकों को सुरक्षा की दृष्टि से होटल पर रुकने वाले लोगों के रिकार्ड रखने, सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में रखने तथा होटलध्ढाबों पर रेट लिस्ट चस्पा करने सम्बन्धी जरुरी हिदायतें दी गयी। संदिग्ध व्यक्ति व गतिविधि की सूचना तुरन्त पुलिस को देने हेतु बताया गया।

सरकार देवभूमि के देवत्व को अक्षुण्ण रखने को प्रतिबद्धः सीएम

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। राजकीय सेवाओं के चयन में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता पर बात करते हुए एवं राज्य के युवाओं का आह्वान करते हुए सीएम धामी ने कहा कि अब राज्य में सरकारी सेवाओं में चयन का आधार केवल और केवल मेरिट, प्रतिभा व योग्यता है, इसलिये राजकीय सेवाओं में आने के इच्छुक युवा पूरे विश्वास एवं लगन से परीक्षाओं की तैयारी करें, उनका भविष्य उज्ज्वल है।

सीएम धामी ने कहा कि ऑपरेशन कालनेमि के तहत अभी तक 60 से अधिक छद्म वेष धारी गिरफ्तार हो चुके हैं, हमारी सरकार देवभूमि के देवत्व को अक्षुण्ण रखने हेतु प्रतिबद्ध है। पवित्र सावन मास एवं चारधाम यात्रा के दौरान ऑपरेशन कालनेमि पूरी गहनता से जारी रहेगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देवभूमि के मूल स्वरूप और अस्तित्व को बचाने के हमारे संकल्प पर हम अडिग हैं, यह अनवरत जारी रहेगा। लैंड जिहाद,लव जिहाद, थूक जिहाद के खिलाफ सख्त कार्यवाही जारी रहेगी। सीएम ने कहा हमारी सरकार ने कड़ा भू कानून लागू कर, अनावश्यक रूप से लैंड बैंक बनाने वालो पर रोक लगाई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को आई आर डी टी ऑडिटोरियम देहरादून में हिमालयन हेरिटेज सोसाइटी

कार्यक्रम के दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी व अन्य।

द्वारा आयोजित भगवती सुरकंडा मां दिव्य जागर विमोचन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने जागर गायक प्रीतम भरतवाण के सुरकंडा देवी पर जागर का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जागरो के माध्यम से हमारे पूर्वजों ने प्रकृति, पर्वत, नदियों और देवशक्तियों के साथ संवाद स्थापित किया। हमारी ये जागर परंपरा वेद मंत्रों जितनी ही गूढ़ है, जिसे केवल गाया ही नहीं जाता बल्कि अनुभव भी किया जाता है। जागर में शब्द नहीं बल्कि शक्ति होती है, प्रत्येक बोल, प्रत्येक ताल और ढोल की थाप में एक आध्यात्मिक शक्ति होती है, जो देवत्व को आमंत्रित करती है। इसलिए इस प्रकार के प्रयासों को प्रोत्साहन देना हम सभी का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मां सुरकंडा देवी, हमारी लोक आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक हैं, उनके इतिहास, महिमा और गौरवशाली कथा को चलचित्रों के माध्यम से जीवंत रूप देने का जो अद्भुत कार्य हमारे प्रदेश के महान लोक गायक पद्मश्री प्रीतम भरतवाण ने किया है, वह अनुकरणीय है।

शेष खबर पेज आठ पर देखे

आर्यन स्कूल में स्पिन ए यार्न स्टोरीटेलिंग प्रतियोगिता का आयोजन

देहरादून। आर्यन स्कूल में कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए 'स्पिन ए यार्न' नामक स्टोरीटेलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों की प्रतिभा ने सबका मन मोह लिया। इस प्रतियोगिता में जज के रूप में प्रिंसिपल बी. दासगुप्ता और अंग्रेजी विभाग की प्रमुख आशिमा चांदना उपस्थित रहीं। 'थर्स्टी क्रो' और 'द ऑनेस्ट वुडकट्टर' जैसी सदाबहार कहानियों से लेकर 'टफी, द टॉकिंग टर्टल' और 'द मैजिकल पेंटब्रश' जैसी कल्पनाशील कहानियों तक, छात्रों ने

रंग–बिरंगे हस्तनिर्मित प्रॉप्स, प्रभावशाली हावभाव और सटीक वॉइस मॉड्यूलेशन के साथ अपने प्रस्तुतिकरण को जीवंत बना दिया। उनकी आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुति, स्पष्ट उच्चारण और नाटकीय शैली ने दर्शकों और निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस प्रतियोगिता ने छात्रों को न केवल मंच पर बोलने के कौशल को निखारने का अवसर दिया, बल्कि उन्हें स्टोरीटेलिंग की कला को समझने और अनुभव करने का भी मौका मिला।

ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत चंपावत, पिथौरागढ़ पुलिस एवं एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड को नशा मुक्त बनाने हेतु संचालित ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत जनपद चंपावत, पिथौरागढ़ पुलिस एवं एसटीएफ द्वारा एक उल्लेखनीय सफलता अर्जित की गई है। नेपाल सीमा से सटे क्षेत्र गढ़ीगोठ पुल, पम्पापुर (टनकपुर) में चलाए गए चेकिंग अभियान के दौरान 5 किलो 688 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स बरामद की गई है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत घ10.23 करोड़ से अधिक आंकी गई है।

इस दौरान एक महिला अभियुक्ता ईशा पत्नी राहुल कुमार निवासी ग्राम

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

पम्पापुर, थाना बनबसा, जनपद चंपावत (उम्र 22 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। महिला को पुलिस टीम ने काले पिट्ठू बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में नहर की ओर भागते देखा, जिसे रुकवाकर पुलिस उपाधीक्षक

10.23 करोड़ की एमडीएमए ड्रग्स बरामद, महिला गिरफ्तार

टनकपुर वंदना वर्मा की उपस्थिति में तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में सिंथेटिक ड्रग (मेथाएम्फेटामीन) बरामद की गई।

पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ द्वारा पुलिस टीम को घ50,000 के नकद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की है। गिरफ्तार महिला ने बताया कि उक्त मादक पदार्थ उसके पति राहुल कुमार व उनके सहयोगी कुनाल कोहली (टनकपुर निवासी) द्वारा 27 जून को पिथौरागढ़ से लाया गया था। दोनों अभियुक्त मौजूदा समय में ठाणे (मुंबई) में पंजीकृत एक एनडीपीएस मामले में वांछित हैं। आज महिला को मादक पदार्थ को शारदा नहर में नष्ट करने का निर्देश दिया गया था, किंतु इससे पहले ही पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्ता के पति राहुल कुमार व सहयोगी कुनाल कोहली की गिरफ्तारी हेतु तलाशी अभियान जारी है। मादक पदार्थों की तस्करी में संभावित नेपाल व अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क (विशेषकर नाइजीरियाई गिरोह) की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

संपादकीय

कोचिंग सेंटर अब बन गए हैं 'पोचिंग सेंटर' : उपराष्ट्रपति

जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर पोचिंग सेंटर बन गए हैं। ये प्रतिभाओं के लिए ब्लैक होल बन गए हैं। कोचिंग सेंटर कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे हैं। यह हमारे युवाओं के लिए ख़तरा है, जो हमारा भविष्य हैं। हमें इस दुर्भावना को दूर करना होगा जो बेहद चिंताजनक है। कोटा स्थित कोचिंग उद्योग पर निशाना साधते हुए, उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर पोचिंग सेंटर बन गए हैं और सीमित दायरे में सिमटी प्रतिभाओं के लिए ब्लैक होल बन गए हैं। राजस्थान के कोटा स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह हमारे युवाओं, जो हमारा भविष्य हैं, के लिए ख़तरा है। हमें इस चिंताजनक कुरूपता का समाधान करना होगा। हम अपनी शिक्षा को इतना कलंकित नहीं होने दे सकते। जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर पोचिंग सेंटर बन गए हैं। ये प्रतिभाओं के लिए ब्लैक होल बन गए हैं। कोचिंग सेंटर कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे हैं। यह हमारे युवाओं के लिए ख़तरा है, जो हमारा भविष्य हैं। हमें इस दुर्भावना को दूर करना होगा जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि हम अपनी शिक्षा को इतना कलंकित और कलंकित नहीं होने दे सकते। अखबारों में होर्डिंग और विज्ञापनों में पैसा बहाया जाता है। यह पैसे का इष्टतम उपयोग नहीं है, और ये विज्ञापन आकर्षक तो हैं, लेकिन ये हमारी सभ्यतागत प्रकृति के लिए आँखों में खटकते हैं। शिक्षा को असेंबली लाइन की तरह मानने के विचार का विरोध करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस असेंबली लाइन संस्कृति को रोका जाना चाहिए तथा उन्होंने इसे शिक्षा के भविष्य के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि अखबारों में होर्डिंग और विज्ञापनों पर पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन लोगों से आता है जो या तो कर्ज लेते हैं या अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत से बचत करते हैं।

हरिद्वार में 'ऑपरेशन कालनेमि' के तहत जेल भेजे 13 फर्जी बाबा

पकड़े गए फर्जी बाबा।

हरिद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। ऑपरेशन कालनेमि के तहत उत्तराखंड में छद्म वेशधारियों के खिलाफ युद्ध स्तर पर अभियान चल रहा है। शुक्रवार को देहरादून में एक बांग्लादेशी नागरिक समेत 25 फर्जी बाबा पकड़े गए थे।

हरिद्वार पुलिस ने भी छद्म वेशधारियों के खिलाफ अभियान चलाया। धर्मनगरी में 13 फर्जी बाबा पकड़े गए। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने ऑपरेशन कालनेमि का स्वागत किया। हिंदुत्व की हार्डकोर लाइन पर बिना रुके आगे बढ़ रहे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लैंड जेहाद, लव जेहाद, मजार जेहाद के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के बाद उत्तराखंड में गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुवार को ऑपरेशन कालनेमि लॉंच किया था। राजधानी देहरादून में जहां ऑपरेशन कालनेमि के तहत पहले दिन शुक्रवार को 25 फर्जी बाबा पकड़े गए थे हरिद्वार में भी ये धरपकड़ अभियान जोर शोर से चला।

सीएम पुष्कर सिंह धामी के आदेश पर शनिवार को हरिद्वार पुलिस ने ऑपरेशन कालनेमि चलाकर 13 फर्जी बाबाओं को पकड़ा है। ये लोग साधु का वेश धारण कर आमजन को गुमराह कर रहे थे। लंबे समय से इनकी शिकायतें मिल रही थीं। नगर कोतवाली क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान ये सभी पकड़े गए। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने कहा कि हमने ऑपरेशन कालनेमि शुरू किया है। इसके तहत हमने अनेक लोगों को पकड़ा है जो वेश बदलकर अपनी गतिविधियां चला रहे थे। हरिद्वार की धार्मिक गरिमा से कोई समझौता नहीं होगा। कांवड़ मेले से पहले पुलिस का ये सख्त संदेश है कि फर्जीवाड़ा हरगिज बर्दाश्त नहीं होगा। ऑपरेशन कालनेमि के तहत हरिद्वार पुलिस ने श्यामपुर थाना क्षेत्र से 18 बहुरूपिए सपेरे बाबाओं को भी गिरफ्तार किया है।

क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है

विभिन्न संस्कृतियों व पृष्ठभूमियों के लोगों में क्षमा, यह शांति व सुलह की दिशा में एक वैश्विक आंदोलन को प्रेरित करता है

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता,संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है !

मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, हमसे अगर गलती हो जाए तो हमें शांत स्वभाव से अपनी गलती को स्वीकार कर लेना चाहिए और माफी मांगनी चहिए, क्योंकि हमेशा याद रखें कि माफी मांगने से हमेशा रिश्ते मजबूत ही होंगे, दो लोगों के बीच कभी बैर नहीं होगा। माफ करने या माफी मांगने की आदत से यह मालूम पड़ता है कि व्यक्ति तुच्छ भावों के मुकाबले में रिश्ते को ज्यादा अहमियत देता है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 7 जुलाई 2025 को वैश्विक माफी दिवस है,चूँकि क्षमा दिवस मनाने से खुद को व दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है, जिससे एक अधिक दयालू और सहानुभूतिपूर्ण दुनियाँ को बढ़ावा मिलता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025 के महत्व और शक्तियों को समझने की करें तो,यह दिवस हमारे जीवन में क्षमा की शक्ति और महत्व को समर्पित एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह द्वेष को दूर करने, पिछले घावों को भरने और समझ और सुलह की संस्कृति को बढ़ावा देने के महत्व पर चिंतन करने का दिन है। क्षमा भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है, जो व्यक्तियों और समुदायों को सद्भाव और शांति में आगे बढ़ने में मदद करता है। वैश्विक क्षमा दिवस लोगों को खुद को और दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे एक अधिक दयालु और सहानुभूति पूर्ण दुनिया को बढ़ावा मिलता है। वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता, संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है!

साथियों बात अगर हम मानव जीव में क्षमा भाव की करें तो, क्षमा भाव जिसके भीतर विकसित हो जाता है,वह व्यक्ति समाज में आदरणीय माना जाता है। किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना औरआत्मग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। कितना आसान है किसी से अपनी गलती की माफी मांगना और उससे भी ज्यादा आनंद तब मिलता है, जब वह व्यक्ति हमें माफ कर देता है। क्षमा का शस्त्र जिसके पास है, उसका दुष्ट मानव कुछ नहीं बिगाड़ सकते। जिस तरह बिना तिनकों की पृथ्वी पर गिर कर अग्नि खुद ही शांत हो जाती है। साथियों बात अगर हम क्षमा मांगने की परिस्थिति की करें तो, यदि हमसे वाकई गलती हो गई है तो गंभीरता से क्षमा मांगें। कोई स्पष्टीकरण दें, हमारी गलती से वह विचलित है और हमारे कारणों को समझने की स्थिति में नहीं है।उसे पहले शांत कर सामान्य स्थिति में लाएं। दिल से मांगी गई माफी से स्थिति सामान्य हो जाएगी। यह हमारा बड़प्पन भी होगा कि जो व्यक्ति हमारे कारण दुखी हुआ है और हम अपनी गलती स्वीकार कर उसे सामान्य होने में मदद कर रहे हैं। फिर हुए नुकसान या असुविधा की पूर्ति के लिए तत्काल प्रयास करें। व्यर्थ की दलीलों में समय बर्बाद करने की बजाय तत्काल कदम उठाएं। इस तरह हम अपनी खामियों के बावजूद सम्मान भरोसा हासिल करेंगे। अन्यथा भावनाओं की गलत अभिव्यक्ति से आप हमेशा तनाव में रहेंगे, जो आपको समाधान से दूर और दूर ले जाएगा। साथियों बात अगर हम क्षमा देने की करें तो, कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता,क्षमा करना तो शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है। जो पहले क्षमा मांगता है वह सबसे बहादुर है और जो सबसे पहले क्षमा करता है वह सबसे शक्तिशाली है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरों का आभूषण है।बाणभट्ट के हर्षचरित में उल्लेख किया गया है कि क्षमा सभी तपस्याओं का मूल है। महाभारत में कहा गया है कि क्षमा असमर्थ मनुष्यों का गुण और समर्थ मनुष्यों का आभूषण है।' श्री गुरु ग्रंथ साहिब का वचन है– क्षमाशील को रोग नहीं सताता और न ही यमराज डराता है। साथियों बात अगर हम क्षमा में भावनात्मक मिश्रण से हानि की करें तो खासकर पारिवारिक झगड़ों में हम देखते हैं कि, पति का पत्नी से झगड़ा हो गया है। उनके बीच कोई समस्या हो सकती है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। चूंकि पत्नी का मूड खराब है तो वह बेटे पर गुस्सा उतारेगी। बेटे पर मां मामूली–सी बात पर चिल्लाई तो वह अपने साथियों से लड़ पड़ा और हम जितनी कल्पना कर सकें उतना इस कहानी को विस्तार दे सकते हैं। भावनाएं यदि समस्या के स्रोत की दिशा में हो तो भी यह उसे सुलझाने की बजाय बड़ा बना देती हैं। यहीं पर बड़ी समस्या है, क्योंकि कोई माफी मांगे इसकी बजाय भावनात्मक विस्फोट के कारण आखिर में स्थिति होगी कि हमें ही माफी मांगनी पड़ सकती है।

अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025, विभिन्न संस्कृतियों व पृष्ठभूमियों के लोगों में क्षमा, यह शांति व सुलह की दिशा में एक वैश्विक आंदोलन को प्रेरित करता है,क्षमा दिवस मनाने से खुद को व दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है,जिससे एक अधिक दयालू और सहानुभुति पूर्ण दुनियाँ को बढ़ावा मिलता है।

लेखक – कर विशेषज्ञ स्तंभकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

13 July 2025_Copy of Layout 1 7/13/2025 2:54 PM Page 3

विभागीय परिसंपत्तियों और एसेट्स का सितंबर अंत तक जियो टैगिंग व जिओ फेंसिंग कराना सुनिश्चित करें: सीएस

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के जनपदों से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में जिलाधिकारियों और जनपद के संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी विभाग संबंधित जिलाधिकारियों के समन्वय से अपनी सभी विभागीय परिसंपत्तियों और एसेट्स का सितंबर माह के अंत तक जियो टैगिंग और जिओ फेंसिंग कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को संबंधित डीएफओ और विभागों के साथ वन भूमि स्थानांतरण से संबंधित मामलों के निराकरण के लिए प्रत्येक माह समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक जनपद को पूर्व में लैंड बैंक बनाने के दिए गए निर्देशों का गंभीरता से अनुपालन करने के

निर्देश दिए। वन क्षेत्रों में डिग्रेडेड फॉरेस्ट लैंड का विवरण भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने वन विभाग को भूमि स्थानांतरण से संबंधित सभी प्रकरणों की एसओपी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि पब्लिक ग्रीवांस पोर्टल पर सेवा के अधिकार से संबंधित ऐसी दूसरी सेवाओं को भी शामिल करें जिनकी समय सापेक्ष अधिक प्रासंगिकता है।

मुख्य सचिव ने सभी जनपदों को दो बेस्ट प्रैक्टिसेज (सफलता की कहानियों) का विवरण देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी आयोजन, बैठक, कार्यक्रमों में स्थानीय उत्पादों के उपयोग से संबंधित पूर्व में जो निर्देश दिए गए हैं उनका सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि आगामी हरेला पर्व पर व्यापक वृक्षारोपण के लिए सभी जिलाधिकारी संबंधित विभागों के समन्वय से तत्काल प्लांटेशन प्लान प्रस्तुत तैयार करें। मुख्य सचिव ने क्लस्टर विद्यालयों के संबंध में शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि संबंधित जिला अधिकारी के समन्वय से ट्रांसपोर्टेशन प्लान बनाना सुनिश्चित करें। प्रथम चरण में जिन माध्यमिक विद्यालयों को क्लस्टर विद्यालयों से जोड़ने का काम हो चुका है उनका उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषित करें जिससे अग्रिम चरण की वित्तीय धनराशि जारी की जा सके। शिक्षा सचिव ने अवगत कराया कि पहले चरण में माध्यमिक विद्यालयों को क्लस्टर विद्यालय से जोड़ने का कार्य चल रहा है और शीघ्र ही प्राथमिक विद्यालयों को भी जोड़ने का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने अवगत कराया कि 559 माध्यमिक विद्यालयों में से 68 क्लस्टर विद्यालय इस वित वर्ष संचालित हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री की घोषणा के अंतर्गत विभिन्न जनपदों से संबंधित पार्किंग के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि पार्किंग के लिए साइट का चयन पार्किंग की आवश्यकता के आधार पर करें ना की भूमि उपलब्धता की सुविधा के आधार पर। उन्होंने कहा कि जहां पार्किंग की डिमांड होती है वहां पर ही पार्किंग बनाई जानी चाहिए। महिला एवं बाल विकास से संबंधित योजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला और बच्चों से संबंधित योजनाओं और कार्यक्रमों का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन करें तथा इसके लिए नियमित बैठक करें तथा निगरानी तंत्र को भी मजबूत करें।

सिरोबगड़ डेंजर जोन सक्रिय, आम जनता परेशान

रुद्रप्रयाग। बद्रीनाथ हाईवे का सिरोबगड़ डेंजर जोन बरसात में एक बार फिर से चारधाम यात्रा के साथ ही रुद्रप्रयाग व चमोली जनपद की जनता के लिये नासूर बन गया है। सिरोबगड़ में लगातार गिर रहे बोल्डरों के कारण घंटों तक यातायात बाधित हो रहा है। जिस कारण यात्री व स्थानीय लोग यही फंस रहे हैं। बुधवार सांय तो बद्रीनाथ हाईवे सिरोबगड़ के अलावा नरकोटा के निकट बंद हो गया। जिस कारण कई लोगों को अपनी राते हाईवे पर ही काटनी पड़ी। लगातार हाईवे पर गिर रहे बोल्डरों के कारण दुर्घटना का भी खतरा बना हुआ है।बद्रीनाथ हाईवे पर सिरोबगड़ डेंजर जोन वर्षो से नासूर बना हुआ है। इन दिनों यह जोन सक्रिय है और बरसात होते ही यहां पर पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा व बोल्डर गिर रहे हैं। बुधवार दोपहर बाद से यहां पर लगातार बोडल्र गिर रहे थे। जिस कारण बुधवार रात भर यहां पर आवाजाही ठप रही। गुरूवार को भी लगातार बारिश होने के कारण बोल्डर गिरने का सिलसिला जारी रहा।

उत्तराखंड विधानसभा का मानसून सत्र 19 से 22 अगस्त तक भराड़ीसैंण में होगा

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड विधानसभा का मानसून सत्र भराड़ीसैंण गैरसैंण में 19 से 22 अगस्त तक होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अनुमति के बाद विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव धनंजय चतुर्वेदी ने इस संबंध में आदेश जारी किए।

कैबिनेट ने मानसून सत्र की तारीख व स्थान तय करने के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया था। भराड़ीसैंण में 19 अगस्त से सत्र कराने के लिए मुख्यमंत्री की सहमति के बाद शासन ने आदेश जारी कर दिए। प्रदेश सरकार की ओर से सत्र की तिथि व स्थान तय करने के बाद राज्यपाल की अनुमति से विधानसभा सचिवालय अधिसूचना जारी करेगा। मानसून सत्र के लिए विधानसभा सचिवालय को विधायकों से अब तक 450 प्रश्न प्राप्त हो चुके हैं। उधर, विधानसभा ने भी सत्र का सुचारू रूप से संचालित करने के लिए तैयारियां तेज कर दी है। भराड़ीसैंण विधानसभा भवन के सभा मंडप में साउंड प्रूफ व डिजिटाइजेशन का काम 10 दिन के भीतर पूरा हो जाएगा। भराड़ीसैंण विधानसभा में ई–नेवा के तहत डिजिटाइजेशन व अन्य सुधारीकरण का काम होने से बजट सत्र देहरादून में हुआ था।

सरकार ने मानसून सत्र गैरसैंण में करने का निर्णय लिया है। गैरसैंण के भराड़ीसैंण विधानसभा में पेपरलेस सत्र कराने की तैयारी है। सत्र से पहले विधानसभा के सभा मंडप में डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो जाएगा।

मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा की

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की वित्तीय और भौतिक प्रगति का प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया।

प्रेजेंटेशन में अवगत कराया गया कि वर्तमान समय में पीएमजीएसवाई योजना का चौथा चरण गतिमान है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना–4 में 2645 गांव को आच्छादित करते हुए 9500 किलोमीटर की सड़क बनाने का लक्ष्य है। इसके प्रथम फेज में 1370 किलोमीटर की 212 सड़कों की डीपीआर का अनुमोदन किया गया है। जिन पर कार्य चल रहा है।

बताया कि विभाग द्वारा इंस्पेक्ट टू परफेक्ट एप डेवलप किया गया है जिससे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है।

मुख्य सचिव बैठक लेते हुए।

मुख्य सचिव ने PMGSY के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण के कार्यों की गुणवत्ता बेहतर रखें तथा उसकी प्रगति भी तेजी से बढ़ाना सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि पिथौरागढ़ के दुर्गम क्षेत्र में कुछ गांव ऐसे हैं जहां पर इंटरनेट कनेक्टिविटी दी जानी है तथा उसके लिए सड़क की एप्रोच होना जरूरी है, उन्होंने रिमोट एरिया के सड़क से वंचित इन गांवों को भी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से सड़क कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए होमवर्क करने तथा इस संबंध में अग्रिम कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

देहरादून जिले के 1090 पोलिंग बूथों के लिए रिजर्व सहित बनाई गई 1208 पोलिंग पार्टियां

पंचायत चुनाव के लिए कार्मिकों का दूसरा रेंडमाइजेशन संपन्न

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को सकुशल संपन्न करवाने के लिए शुक्रवार को एनआईसी कक्ष में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सॉफ्टवेयर के माध्यम से पोलिंग कार्मिकों का दूसरा रेंडमाइजेशन किया गया।

दूसरे रेंडमाइजेशन में जिले के 1090 पोलिंग बूथों के लिए 10 प्रतिशत रिजर्व सहित 1208 पोलिंग पार्टियां बनाई गई। प्रत्येक पोलिंग पार्टी में 05 कार्मिक तैनात रहेंगे। इस प्रकार 1208 पोलिंग पार्टियों के लिए 6040 मतदान कार्मिकों की तैनाती की गई है। पोलिंग पार्टी में द्वितीय मतदान अधिकारी के रूप में महिला कार्मिक तैनात रहेगी। दूसरे रेंडमाइजेशन के बाद पोलिंग पार्टियों को ब्लाक भी आवंटित किए गए है। चकराता ब्लाक में 137 पोलिंग बूथ के लिए रिजर्व सहित 151 पोलिंग पार्टियां बनाई गई है। वहीं कालसी के 130 बूथ के लिए रिजर्व सहित 143, विकासनगर के 242 बूथ के लिए 267, सहसपुर के 247 बूथ के लिए 272, रायपुर के 61 बूथ के लिए 74 और डोईवाला के 273 बूथ के लिए रिजर्व सहित 301 पोलिंग पार्टियां बनाई गई है। पीठासीन अधिकारी एवं प्रथम मतदान अधिकारियों को विगत 06 व 07 जुलाई को पहला प्रशिक्षण दिया जा चुका है। जबकि पोलिंग पार्टियों के लिए चयनित सभी 6040 कार्मिकों को आगामी 16 से 21 जुलाई तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीसरे और अंतिम रेंडमाइजेशन में पोलिंग पार्टियों को बूथ आंवटित किए जाएंगे।

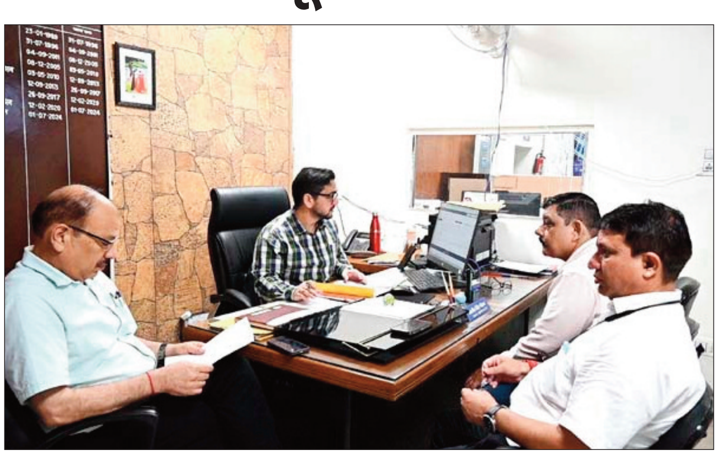

रेंडमाइजेशन संपन्न कराते अधिकारी।

कार्मिकों के रेंडमाइजेशन के दौरान मुख्य शिक्षा अधिकारी वीके ढौंडियाल, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी रनजीत सिंह चौहान, एडीआईओ अंकुश पांडेय आदि मौजूद थे।

13 July 2025_Copy of Layout 1 7/13/2025 2:54 PM Page 4

मुख्यमंत्री के निर्देशों पर ढोंगी बाबाओं के विरुद्ध युद्धस्तर पर चल रहा दून पुलिस का अभियान

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। देवभूमि में धर्म की आड में लोगो की भावनाओं व आस्थाओं से खिलवाड करते हुए उनके साथ धोखाधडी करने वाले छद्म भेषधारियों के विरूद्व मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के निर्देशों पर ऑपरेशन कालनेमि प्रारम्भ किया गया है, जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा ऐसे सभी व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्व कठोर कार्यवाही के निर्देश दिये गये है।

उक्त निर्देशों के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने–अपने थाना क्षेत्रों में ऐसे व्यक्यिों, जो साधु–संतों का भेष धारण कर लोगो को विशेषकर महिलाओं व युवाओ को भ्रमित कर उनकी व्यक्तिगत अथवा घरेलु समस्याओं का निदान करने का प्रलोभन देते हुए उन्हें वशीभूत करते हुए उनके साथ ठगी की घटनाओ को अजांम देते है, को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्व कठोर कार्यवाही के

पकड़े गए फर्जी बाबा।

निर्देश दिये गये है। अभियान के तहत शनिवार को विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए साधु–संतों के भेष में घूम रहे 23 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है, गिरफ्तार ढोंगी बाबाओ में 10 व्यक्ति अन्य राज्यो के रहने वाले हैं। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में सरदारों पुत्र सुखलाल निवासी मद्रासी कॉलोनी रेस्ट कैंप कोतवाली नगर देहरादून उम्र 58 वर्ष, लखनपाल सिंह पुत्र सतनाम सिंह निवासी 513 गोविंदगढ़ गुरुद्वारा गली थाना कैंट देहरादून उम्र 38 वर्ष, शिव कुमार पुत्र बेचन लाल निवासी 230,61 नई बस्ती सी ब्लॉक रेस कोर्स थाना नेहरू कॉलोनी देहरादून उम्र 49 वर्ष,, मनोज कुमार जोशी पुत्र शिवकुमार जोशी निवासी धामपुर हुसैनपुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश उम्र 44 वर्ष, गुरदास सिंह पुत्र किशोरी सिंह निवासी कवाली रोड कोतवाली नगर जनपद देहरादून 61 वर्ष, माताफेर गोस्वामी पुत्र रामचंद्र निवासी गोल मार्केट मोहब्बतें वाला धार वाली कोतवाली पटेल नगर जनपद देहरादून उम्र 64 वर्ष, सोहन सिंह पुत्र सतनाम सिंह निवासी कावली रोड नई बस्ती देहरादून उम्र 45 वर्ष, अभिलाख सिंह पुत्र बानजीत सिंह निवासी माजरा चांदीपुर जनपद हरिद्वार उम्र 59 वर्ष, महेंद्र पुत्र स्वर्गीय कालू निवासी नूरपुर जनपद बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल पता निकट साई मंदिर राजपुर रोड देहरादून उम्र 30 वर्ष, वेदप्रकाश पुत्र कोमल सिंह निवासी ग्राम सलेमपुर थाना कोतवाली हाथरस जिला हाथरस उ0प्र0 उम्र 42 वर्ष, संदीप नाथ महावीर तव रटा खेरा कुता बढ़ सिरसा हरियाणा उम्र 22 वर्ष, पामती नाथ पुत्र जागर नाथ निवासी लक्ष्मीपुर चोरखाला थाना सहसपुर देहरादून उम्र 42 वर्ष, बल्लू पुत्र टिपरनाथ निवासी लक्ष्मीपुर चोरखाला थाना सहसपुर देहरादून उम्र 22 वर्ष शामिल हैं।

कांवड़ियों का लाठीचार्ज का आरोप निकला झूठा, पुलिस ने दी जानकारी

हरिद्वार। कांवड़ मेले की शुरुआत के साथ ही कांवड़ियों के हंगामे की खबरें भी सामने आने लगी हैं। नया मामला हरिद्वार के सिंहद्वार इलाके का है। बताया जा रहा है कि कांवड़िए नहर पटरी छोड़कर हाईवे पर जाने की जिद कर रहे थे, जिन्हें पुलिस ने रोक दिया। इसी बात को लेकर कांवड़ियों की पुलिस से नोकझोंक भी हुई।

बताया जा रहा है कि कांवड़िए नियमों को न मानकर नहर पटरी से जाने के लिए तैयार नहीं थे। इस दौरान पुलिस और कांवड़ियों के बीच अच्छी–खासी बहस भी हुई। हालांकि बाद में कांवड़ियों को समझाने में पुलिस कामयाबी हुई और कांवड़िए नहर पटरी से जाने को तैयार हुए। इस बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए एसपी क्राइम जितेंद्र ने बताया कि कांवड़ पटरी को कांवड़ियों को सरल व सुगम व्यवस्था देने के लिए बनाया गया, लेकिन कुछ कांवड़ियों ने हाईवे से जाने की जिद की जा रही थी। इसी वजह से थोड़ी बहस भी हुई थी।

गैरसैंण विकासखंड में 13 प्रधान और दो क्षेत्र पंचायत सदस्य निर्विरोध चुने गए

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। गैरसैंण ब्लॉक में 95 ग्राम पंचायतों में 13 प्रधान और 40 क्षेत्रपंचाय सदस्यों में से दो ग्राम सभाओं से क्षेत्र पंचायत सदस्य निर्विरोध चुने गए हैं। जबकि कुल 679 ग्राम पंचायत वार्डों में से 390 पर किसी भी सदस्य ने नामांकन नहीं करवाया।

गैरसैंण विकासखंड के ग्राम पंचायत भटग्वाली से जयवीर सिंह, मज्याणी मल्ली से लकिता नेगी, कुनीगाड़ मल्ली से आशादेवी,रामड़ा तल्ला से दिवान राम, रंगचौंड़ा से मनोज नेगी,कल्याणा तल्ला से सुमित्रा देवी,मटकोट से अनीता देवी, सिंटोली से रतन सिंह, नैल कुमोली से सबीना, सेरा से हुक्म सिंह, बंज्यांणी से सरला देवी, भेड़ियांणा से इंद्र सिंह, भंडारीखोड़ से बसंती फर्सवाण को प्रधान पद के लिए निर्विरोध चुना गया है। जबकि क्षेत्र पंचायत के 40 वार्डों में से वार्ड फरकंडे से फरीदा बेगम और सारकोट से आरती देवी को ग्रामीणों ने निर्विरोध चुना है। जिला पंचायत में कोठा वार्ड से गौर सिंह के नामांकन वापस लेने से अब तीन प्रत्याशी मैदान में हैं। ग्राम पंचायतों के कुल 679 वार्डों में से कुल 281 सदस्य निर्विरोध हैं, जबकि आठ वार्डों में चुनाव होने हैं। 390 ग्राम पंचायत के वार्डों में किसी ने भी नामांकन नहीं किया। विकासखंड से ग्राम सदस्य पद के तीन प्रधान पद के 12 व क्षेत्र पंचायत पद के दो सदस्यों द्वारा नामांकन वापस लिए गए। आरओ जे पी थपलियाल ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशन में ही ग्राम पंचायत वार्डों को वार्ड सदस्य मिल पाएंगे।

राष्ट्रीय कर्मयोगी सेवा-भाव प्रशिक्षण का किया आयोजन

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। क्षमता निर्माण और जन–केंद्रित शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित कौशल भवन में राष्ट्रीय कर्मयोगी सेवा–भाव प्रशिक्षण के दूसरे चरण के अंतर्गत तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया।

यह कार्यक्रम मिशन कर्मयोगी के व्यापक ढांचे के अंतर्गत कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन (सीबीसी) की एक प्रमुख पहल है। इस कार्यक्रम ने मंत्रालय के क्षेत्रीय संस्थानोंकृडीजीटी, आरडीएसडीई, एनएसटीआई, एनआईएमआई, सीएसटीएआरआई और एनसीवीईटी से 28 नामित अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया। इन अधिकारियों को मंत्रालय के निदेशक प्रीतम दत्ता

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि।

और सीएसटीएआरआई के निदेशक टी. रागुलान द्वारा प्रशिक्षित किया गया, और दोनों को मई 2025 में सीबीसी द्वारा लीड ट्रेनर के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।

तीन दिनों के इस प्रभावशाली प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों को सेवा–भाव (सेवा की भावना) को बढ़ावा देने, लक्ष्य आधारित सार्वजनिक सेवा को समझने और विभिन्न संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए जरूरी जानकारी और तरीके सिखाए गए। यह प्रशिक्षण चार मॉड्यूल पर आधारित था, जिनका उद्देश्य था–अधिकारियों की सोच को सकारात्मक दिशा में मोड़ना, विभागों के बीच सहयोग बढ़ाना और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना।

राष्ट्रीय खेलों के बाद उत्तराखंड में खेलों की नई उड़ान, सीएम धामी ने दिए लिगेसी प्लान पर तेज कार्यवाही के निर्देश

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों की अभूतपूर्व सफलता के बाद अब राज्य सरकार खेलों को लेकर नई दृष्टि और रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है।

मुख्य सचिव को निर्देश-खेल अधोसंरचना का हो स्थायी और सतत उपयोग, खिलाड़ियों को मिले निरंतर प्रशिक्षण और सुविधाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के खिलाड़ियों को निरंतर उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय खेलों के दौरान निर्मित और उन्नत किए गए खेल ढांचे का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने हेतु मुख्य सचिव को शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने और उस पर तेजी से अमल करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेल केवल एक आयोजन नहीं थे, बल्कि यह उत्तराखंड की खेल यात्रा में ऐतिहासिक मोड़ सिद्ध हुए हैं।

पहली बार राज्य ने 100 से अधिक पदक जीतकर पदक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया और अपने प्रदर्शन से पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि "खेलों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और खिलाड़ियों की मेहनत ने मिलकर यह असाधारण उपलब्धि संभव बनाई है।" लिगेसी प्लानरू खेल ढांचे का बेहतर और स्थायी उपयोगः राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए तैयार की गई अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं अब राज्य के खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण केंद्र के रूप में उपयोग होंगी। देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज और हल्द्वानी के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को आधुनिक सुविधाओं से युक्त किया गया है। इसके साथ ही राज्य के आठ शहरों में 23 खेल अकादमियों की स्थापना की योजना भी लिगेसी प्लान का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि खेल ढांचे को निष्क्रिय नहीं रहने दिया जाएगा, बल्कि इसका अधिकतम उपयोग किया जाएगा ताकि राज्य के युवा प्रतिभाओं को अपने घर के पास ही उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मिल सके।

नई खेल नीति से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाः मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2021 में लागू नई खेल नीति के सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं। इसमें खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के अनुसार आकर्षक प्रोत्साहन राशि, सरकारी नौकरी, छात्रवृत्तियां और सम्मान देने का प्रावधान किया गया है। ओलंपिक स्तर के पदक विजेताओं को दो करोड़ रुपये तक की राशि देने की घोषणा से खिलाड़ियों में नया उत्साह आया है।

खेल विश्वविद्यालय का निर्माण–दूरदृष्टि से लिया गया फैसलाः हल्द्वानी में बनने वाला खेल विश्वविद्यालय राज्य की खेल संस्कृति को संस्थागत रूप देगा। यह न केवल प्रशिक्षण और रिसर्च का केंद्र बनेगा, बल्कि कोचिंग, खेल विज्ञान, फिजियोथेरेपी, मैनेजमेंट आदि में भी युवाओं को अवसर प्रदान करेगा।

मां बनने की उम्र वही, जब तन व मन की तैयारी सही, जनसंख्या स्थिरीकरण सप्ताह शुरू, 18 जुलाई तक चलेगा आयोजन

रूद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वाधान में विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण सप्ताह का शुभारंभ हो गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि व जखोली तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऊखीमठ में आयोजित कार्यक्रमों में जनसंख्या वृद्धि से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों व जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए स्वास्थ्य विभाग व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा की गई।

इस दौरान महिलाओं के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित मातृत्व पर जोर देते हुए जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए परिवार नियोजन की स्थाई व अस्थाई सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा राम प्रकाश ने बताया कि "मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही" थीम पर जनपद के समस्त विकायखंडों में जागरूकता गोष्ठियों के आयोजन के साथ विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण सप्ताह का शुभारंभ हो गया।

गोष्ठी में उपस्थित लोग।

उन्होंने जनसंख्या स्थिरीकरण की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि तेजी से बढ़ रही जनसंख्या से समस्याएं भी बढ़ रही हैं, जिसके दृष्टिगत आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य के लिए जनसंख्या स्थिरीकरण बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई तक चलने वाले जनसंख्या स्थिरीकरण सप्ताह के तहत समस्त चिकित्सा इकाईयों में परिवार नियोजन सेवाएं, स्वास्थ्य शिक्षा व चिकित्सकीय परामर्श की सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जायेगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऊखीमठ में आयोजित कार्यक्रमों में जनसंख्या वृद्धि से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों व जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए स्वास्थ्य विभाग व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि पहला बच्चा 20 वर्ष की उम्र के बाद हो, वो भी तब जब स्त्री तन व मन से स्वस्थ हो।

साथ ही दो बच्चों में तीन वर्ष का अंतर रखने व बच्चों में अंतर रखने के लिए गर्भ निरोधक साधनों का उपयोग करने पर जोर दिया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से परिवार नियोजन के साधन पुरुष नसबन्दी कराने पर 2000 रूपए व महिला नसबन्दी कराने पर 1400 रूपए, गर्भ निरोधक उपाय पीपीआईयूसीडी अपनाने पर 300 रूपए व प्रसव के बाद 7 दिन के भीतर नसबन्दी अपनाने पर रूपए 2200 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। वहीं, विश्व जनसंख्या सप्ताह के तहत जनपद में 14–17 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में, 15–18 जुलाई को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऊखीमठ में महिला नसबन्दी शिविर का आयोजन किया जायेगा।

रामनगर की सिंचाई नहर से मिला रिटायर्ड दरोगा का शव

नैनीताल। शनिवार सुबह शहर के हाथी नगर क्षेत्र के पास स्थित सिंचाई नहर में उत्तराखंड पुलिस के एक रिटायर्ड दरोगा का शव मिला। शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान 63 वर्षीय जगमोहन सिंह रावत के रूप में हुई है। जगमोहन सिंह रावत मूल रूप से पौड़ी गढ़वाल के निवासी थे। वे पिछले कुछ वर्षों से रामनगर की बिहार कॉलोनी चोरपानी में अपने परिवार के साथ रह रहे थे।

जगमोहन सिंह रावत उत्तराखंड पुलिस में उप निरीक्षक (दरोगा) के पद से करीब तीन साल पहले सेवानिवृत्त हुए थे। रावत ने अपनी सेवा के दौरान रामनगर कोतवाली में हेड मोहर्रिर के पद पर कार्य किया था। इसके बाद उन्हें पदोन्नति के बाद दरोगा बनाया गया। उन्होंने रामनगर सीओ कार्यालय में पेशकार के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं थी। बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने जब सिंचाई नहर में शव को देखा। जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

नगर पंचायत ने गौ संरक्षण की मुहिम की शुरू

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो) बदरीनाथ धाम में बड़ी संख्या में सड़कों पर छोड़े गए गौवंश यातायात व्यवस्था के लिए बड़ी परेशानी बन रहे थे। जिसे देखते हुए नगर पंचायत बदरीनाथ ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट से प्राप्त आय से मवेशी ले जाने वाला वाहन क्रय किया है। जिससे अब सुगमता से बीमार मवेशियों और गौवंश को चिकित्सालय ले जाने के साथ अन्य सड़क पर घूम रहे गौ वंश को गौ सदन तक ले जाया जा सकेगा।

नगर पंचायत बदरीनाथ के अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित ने बताया कि धाम में बड़ी संख्या में गौवंश को आवारा छोड़ा जा रहा है। जिससे बद्रीनाथ धाम यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनाने में दिक्कतों का समाना करना पड़ रहा है। ऐसे में पंचायत की ओर से यह व्यवस्था बनाई है।

नैनीताल के भूमियाधार में सड़क किनारे से हटाई गई 25 दुकानें

नैनीताल (नजरिया खबर ब्यूरो)। भूमियाधार क्षेत्र में सड़क किनारे हुए अतिक्रमण पर प्रशासन की टीम ने कार्रवाई की है। एसडीएम के नेतृत्व में गई टीम ने 25 दुकानों को ध्वस्त कर दिया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान भारी विरोध देखने को मिला। एसडीएम नवाजिश खालिक के नेतृत्व में लगभग 25 दुकानों को अतिक्रमण बताते हुए ध्वस्त कर दिया गया।

इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं में भारी आक्रोश रहा। दुकानदारों ने इस कार्रवाई को अन्यायपूर्ण बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि यह उनकी रोजी–रोटी छीनने जैसा है। प्रशासन की ओर से चलाए गए इस अभियान के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। एसडीएम ने बताया कि नवाजिश खालिक दुकानें

अतिक्रमण हटाते हुए।

मुख्य सड़क के किनारे अतिक्रमण कर बनाई गई थीं। इससे यातायात बाधित हो रहा था। इसके साथ ही हादसों की आशंका बनी रहती थी। दुकान लगाने वालों को पहले ही सूचना दे दी गई थी। इसके बावजूद उन्होंने अतिक्रमण नहीं हटाया। आखिरकार प्रशासन को नियमानुसार अतिक्रमण हटाना पड़ा। स्थानीयों लोगों का आरोप है कि उनको दुकान लगाने के लिए स्थान पंचायत ने दिया था। अब बिना वैकल्पिक व्यवस्था के बेदखल किया गया। एक दुकान ने आरोप लगाया कि जिन जगहों को अब अतिक्रमण बताकर हटाया गया, वे स्थान वर्षों पूर्व ग्राम पंचायत के 'व्यू पॉइंट' नाम से स्वरोजगार के लिए हम लोगों को दिए गए थे।

राजकीय इंटर कॉलेज जीआईसी में दो नवीन कक्षा-कक्षों का निर्माण पूर्ण कर विद्यालय को किया समर्पित

पौडी (नजरिया खबर ब्यूरो)। बहुराष्ट्रीय कंपनी AECOM द्वारा अपने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत समाजसेवी संस्था स्टॉप टीयर्स के सहयोग से उत्तराखंड के पहाड़ी व दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर निरंतर सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

इसी कड़ी में, राजकीय इंटर कॉलेज जीआईसी हिंग्रेयाखाल, टेहरी गढ़वाल में दो नवीन कक्षा–कक्षों का निर्माण पूर्ण कर विद्यालय को समर्पित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य

श्री धीरज सिंह बिष्ट द्वारा इस विषय में स्टॉप टीयर्स संस्थापक श्री प्रमोद बमराडा से अनुरोध किया गया था, जिसे संस्था ने प्राथमिकता देते हुए AECOM ls CSR सहयोग हेतु प्रस्तुत किया। निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद कक्षाओं का उद्घाटन एक सादे किन्तु गरिमामय समारोह में विद्यालय को भेंट करते हुए किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य धीरज सिंह बिष्ट, श्रीकृष्ण उनियाल, स्टॉप टीयर्स संस्थापक प्रमोद बमराडा, विद्यालय के शिक्षकगण तथा संस्था की टीम द्वारा संयुक्त रूप से कक्षाओं का उद्घाटन किया गया। गौरतलब है कि स्टॉप टीयर्स द्वारा इस विद्यालय में पूर्व में भी कई विकास कार्य किए जा चुके हैं, जिनमें शामिल हैं। विद्यालय परिसर में तारबाड़ (बाउंड्री फेंसिंग), शौचालयों की मरम्मत, खेल मैदान (ग्राउंड) की समतलीकरण व सुधार, पेयजल के लिए वाटर कूलर सिस्टम, तथा पुस्ते (रिटेनिंग वॉल) का निर्माण आदि। इस सतत सहयोग के लिए विद्यालय प्रशासन ने संस्था का आभार व्यक्त किया। इस दौरान श्री प्रमोद बमराडा ने यह आश्वासन भी दिया कि भविष्य में भी संस्था हरसंभव सहायता हेतु तत्पर रहेगी। इस मौके पर स्टॉप टीयर्स टीम में उपस्थितरूपंकज उनियाल, कुलदीप सिंह, हिमानी पंवार, शोभित डोभाल, अद्वैत शर्मा, अनुष्का बिष्ट, सलूनी धनाई, मनीषा, उत्तम सिंह राणा व अन्य। और विद्यालय से उपस्थित शिक्षकगण में धीरज सिंह बिष्ट (प्रधानाचार्य), हर्ष मणि पाण्डेय, पवन नौटियाल, टी.आर. बंगवाल, चंद्रीर मौर्य, पूनम जोशी, पूजा नवानी, कंचन बाला, संजू देवी, विनीता जुयाल, संजीव सेमवाल, शैलेन्द्र रतूड़ी, महावीर सिंह, प्रमोद भंडारी, विक्रम लाल एवं अन्य।

बीमा जागरूकता समिति ने राष्ट्रीय अभियान 'सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस' के अगले चरण की शुरुआत की

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। दिसंबर 2023 के एनआईए अध्ययन (प) के अनुसार, भारत एक उल्लेखनीय जीवन बीमा सुरक्षा की कमी से जूझ रहा है। इस कमी का अंतर 2019 में 83: से बढ़कर 2023 में 87: हो गया है। 18 से 35 वर्ष की उम्र के लोगों में 90: से ज्यादा की यह कमी और भी ज्यादा साफ तौर पर दिखाई देती है। यह बढ़ती असुरक्षा परिवारों की वित्तीय सुरक्षा (फाइनैंशियल सेक्योरिटी) और उम्मीदों के लिए एक गंभीर खतरा है। इसकी व्यापक्ता से जुड़ी चुनौती से निपटने के लिए ही भारत में सभी जीवन बीमा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली बीमा जागरूकता समिति (इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी) ने अपने राष्ट्रीय अभियान ष्सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंसष् के अगले चरण की शुरुआत की है। यह पहल हर भारतीय को एक नए उत्साह के साथ लाइफ इंश्योरेंस को अपनी वित्तीय यात्रा की बुनियाद

मजबूत बनाने, बढ़ती जागरूकता को सार्थक कार्रवाई में बदलने के लिए प्रेरित करती रहेगी। अपने मूल में, यह अभियान बुनियादी वित्तीय सुरक्षा की उपेक्षा करते हुए बचत और निवेश को प्राथमिकता देने की आम आदत को चुनौती देता है। यह इस पर जोर देता है कि लाइफ इंश्योरेंस (जीवन बीमा) किसी भी सुरक्षित वित्तीय योजना की शुरुआत होनी चाहिए। भरोसेमंद कहानी सुनाने और भावनात्मक रूप से दिल–दिमाग में बैठने वाले आख्यानों के जरिए, यह अभियान रोजमर्रा के उन पलों में जान फूँक देता है जो सही मायनों में दाँव पर लगे हैं। उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव लाने और जीवन बीमा समाधानों के बारे में जागरूकता फैलाने और इसकी पहुँच बढ़ाने के लिए इस अभियान की योजना एक साल तक चलने वाली एक नई पहल के रूप में तैयार की गई है। इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी (प्।ब्–स्मि) के एक सदस्य ने कहा, ष्सबसे पहले तो यह जान लें कि लाइफ इंश्योरेंसष सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि यह समय की एक साफ–साफ पुकार है कि हम वित्तीय योजना से कैसे जुड़ते हैं, उसके लिए क्या करते हैं। हम अक्सर धन कमाने की कोशिशों में उसकी सुरक्षा को नजरअंदाज करते हैं और यह सोचते हैं कि ष्बाद में देखा जाएगा।ष् इस अभियान का उद्देश्य इसी मानसिकता को बदलना है। धन कमाने के बाद उसे बचाना भी जरूरी होता है।

उत्तरकाशी के देवीधार में पेड़ से टकराई सेंट्रो कार चार लोग घायल

उत्तरकाशी। शनिवार को उत्तरकाशी देवीधर के पास एक कार दुर्घटना में चार लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी से देवीधर की ओर जा रही सेंट्रो कार अनियंत्रित होकर नोलियासौड के पास सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई जिसमें बैठे चारों व्यक्ति को गंभीर चोटें आई है। चारों व्यक्ति वाहन में फंसे होने के कारण गाड़ी का दरवाजा तोड़कर घायल व्यक्तियों को निकालकर 108 के माध्यम से राजकीय चिकित्सालय डुंडा भेजा गया। जिसमें एक व्यक्ति कि सर में गंभीर चोट होने के कारण राजकीय चिकित्सालय उत्तरकाशी रेफर किया गया। सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों में उत्तम पुत्र सुंदरलाल निवासी बोर्न उत्तरकाशी उम्र 19 वर्ष, आशीष भारती पुत्र राकेश भारती निवासी ग्राम ब्याली बड़कोट उम्र 30 वर्ष, गगन पुत्र मोहन निवासी बोन उत्तरकाशी उम्र 28 वर्ष व कैलाश पुत्र लक्ष्मण निवासी जुणगा धरासू उम्र 30 वर्ष शामिल है।

विकास के खोखले आश्वासन पर ग्रामीणों ने किया पंचायत चुनाव का बहिष्कार

नैनीताल (नजरिया खबर ब्यूरो)। नैनीताल से लगे गांव के लोग बीमार बुजुर्गों को आज भी 4 किलोमीटर पैदल डांडी में ले जाने को मजबूर हैं। पिछले दिनों पंचायती चुनाव के बहिष्कार की राह चल रहे ग्रामीणों का सड़क नहीं होना एक बहुत बड़ा दर्द है। बीमारों को डांडी में जंगलों के रास्ते ले जाने के कुछ वीडियो शायद आपको दर्द का एहसास कराए।

नैनीताल से महज 9 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बल्दीयाखान से लगभग 4 किलोमीटर दूर पखडण्डी के रास्ते पैदल ही बेलुवाखान ग्रामसभा के सौलिया, कूड़, होली, कुलबखा आदि दर्जनभर गाँव पहुंचा जा सकता है। मोटर मार्ग नहीं होने के कारण इन गांवों के लोगों को पतली पखडण्डी मार्ग से ही पैदल आवाजाही करनी पड़ती है।

ये तब और भी मुश्किल हो जाता है जब, बीमार बुजुर्ग या गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाना होता है, बच्चों को स्कूल जाना होता है, फल, सब्जी, दूध आदि को समय से मंडी पहुंचाना होता है या तत्काल कुछ सामान लाना होता है। ग्रामीण पतली सी उबड़ खाबड़ पखडण्डी से मरीज को नदी नाले पार कराकर बमुश्किल मोटर मार्ग तक पहुंचाते हैं। एक मुश्किल ये भी है कि, पतली पखडण्डी होने के कारण इनकी डांडी भी एक एक व्यक्ति के लायक ही बनी है, जिससे ये कंधों पर बहुत भारी पड़ती है। मरीजों को लाना और ले जाना अपने आप में एक चुनौती से कम नहीं है। विकास से कोसों दूर इन गांव में विद्युत आपूर्ति तो है लेकिन अपनी मर्जी की है।

गुजरात के राज्यपाल से मिले कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत

गांधीनगर/देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। सूबे के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अपने गुजरात प्रवास के दौरान आज गांधीनगर स्थित राजभवन में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में उत्तराखंड में सहकारिता एवं प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों एवं भावी योजनाओं पर सार्थक विचार–विमर्श हुआ।

कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत ने राज्यपाल को उत्तराखंड में आगामी माह सितम्बर से प्रारंभ हो रहे सहकारी मेलों के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का आमंत्रण दिया, जिसे राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत जी ने सहर्ष स्वीकार किया और उन्होंने उत्तराखंड आने का वादा किया। मुलाकात के दौरान राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने गुजरात

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत से शिष्टाचार भेंट करते मंत्री धन सिंह रावत।

राज्य में प्राकृतिक खेती के अनुभव साझा करते हुए बताया कि राज्य के हर गांव में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे अनेक किसान प्रति एकड़ पाँच लाख रुपये तक की आय अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से भूमि, जल, वायु और मानव स्वास्थ्य की रक्षा होती है और यह किसानों को आत्मनिर्भर बनाती है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हो चुके हैं, लेकिन प्राकृतिक खेती और जैविक खेती (ऑर्गेनिक फार्मिंग) में भेद को स्पष्ट करने की आवश्यकता है। जब तक किसानों को यह अंतर समझ में नहीं आता, तब तक वे प्राकृतिक खेती को पूरी तरह नहीं अपना पाएंगे। राज्यपाल ने उत्तराखंड में प्राकृतिक खेती की अपार संभावनाओं की ओर भी इशारा किया और कहा कि विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों में यह मॉडल बहुत कारगर हो सकता है। इस अवसर पर डॉ. धन सिंह रावत ने राज्यपाल को उत्तराखंड में सहकारिता विभाग द्वारा चलाई जा रही वीर माधो सिंह भंडारी संयुक्त सहकारी खेती योजना की जानकारी दी, जिससे किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है।

चमोली पुलिस ने 3 अलग-अलग थाना क्षेत्रों से अवैध शराब बरामद, 03 अभियुक्त गिरफ्तार

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के दृष्टिगत वर्तमान में लागू आदर्श आचार संहिता के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से अवैध मादक पदार्थों के परिवहन और बिक्री पर नकेल कसने हेतु पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत दिनांक 11 जुलाई, 2025 की रात्रि को चमोली पुलिस ने दो अलग–अलग थाना क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

देर रात थाना पोखरी पुलिस द्वारा मोहनखाल रोड पर गुनियाला के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति ताजबर सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह, निवासी ग्राम मजयानी, राजस्व क्षेत्र सिमलासू तहसील पोखरी जनपद चमोली को रोका गया, तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 23 बोतल (रॉयल स्टैग प्रीमियर व्हिस्की) मार्का अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जिसे पुलिस टीम द्वारा मौके से ही गिरफ्तार किया गया।

थाना थराली पुलिस ने देवाल क्षेत्र में चेकिंग के दौरान पुलिस ने ललित विश्वकर्मा पुत्र खड़क विश्वकर्मा निवासी मदरासों कॉलोनी, रसूलपूरा, हैदराबाद को 96 अद्दे अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया। कोतवाली कर्णप्रयाग ने 05 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद किया।

अवैध अंग्रेजी शराब का परिवहन करते 1 गिरफ्तार

उत्तरकाशी। नशामुक्त अभियान एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव–2025 को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न करवाने को लेकर उत्तरकाशी पुलिस लगातार मुस्तैद है। 'प्रभारी निरीक्षक धरासू दिनेश कुमार' के नेतृत्व में कल 11.07.2025 को चौकी बनचौरा थाना धरासू पुलिस टीम द्वारा चौकिंग के दौरान 'खदाड़ा गांव के पास से मदनलाल पुत्र राजू लाल निवासी ग्राम छैजूला थाना धरासू जनपद उत्तरकाशी को वाहन (मोटरसाइकिल) से अवैध शराब का परिवहन करते हुये गिरफ्तार किया गया, अभियुक्त के कब्जे से 54 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गयी।' बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर 'उक्त व्यक्ति के विरुद्ध थाना धरासू पर केस दर्ज किया गया।

टीएचडीसीआईएल एचआरडी केंद्र को एसएचआरएम इंडिया से 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का गौरव प्राप्त

ऋषिकेश (नजरिया खबर ब्यूरो)। भारत सरकार के विद्युत क्षेत्र के प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए, अपने मानव संसाधन विकास केंद्र, ऋषिकेश को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में प्रतिष्ठित एसएचआरएम इंडिया (सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट) द्वारा प्रमाणित कर लिया है।

यह गौरवपूर्ण मान्यता, टीएचडीसीआईएल के एचआरडी केंद्र को सार्वजनिक क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थानों की पंक्ति में शामिल करती है, जिसमें आईओसीएल एवं एचपीसीएल जैसे प्रमुख उपक्रम भी शामिल हैं। टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री आर. के. विश्नोई ने इस उपलब्धि पर एचआर टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान कंपनी की प्रतिभा विकास एवं उत्कृष्ट कार्य संस्कृति

प्रमाणपत्र प्राप्त करते टीएचडीसी के अधिकारी।

को बढ़ावा देने की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि हमारे कर्मचारी मानव संसाधन नीतियाँ एवं पहल, विशेषकर एचआरडी केंद्र, ज्ञान, नवाचार एवं परिवर्तन के प्रमुख स्रोत के रूप में निरंतर कार्य कर रहे हैं। यह मान्यता भविष्य के लिए तैयार, प्रशिक्षित कर्मचारी विकसित करने की हमारी दूरदर्शिता को रेखांकित करती है। श्री विश्नोई ने आगे कहा कि एसएचआरएम–पीएसई बेंचमार्किंग पहल के अंतर्गत प्राप्त यह प्रमाणपत्र टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। यह केंद्र, सार्वजनिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रशिक्षण संस्थानों की अग्रिम पंक्ति में स्थान प्राप्त कर चुका है, जो वैश्विक मानकों पर आधारित शिक्षण प्रणालियों और कर्मचारी–हितैषी प्रक्रियाओं को अपनाने की हमारी रणनीति को सशक्त बनाता है।

उन्होंने बताया कि इस मान्यता के लिए अंतरराष्ट्रीय मापदंडों पर आधारित विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत, कंपनी की नीतियों की समीक्षा, प्रशिक्षण प्रतिक्रिया, एसओपी, सुरक्षा प्रोटोकॉल, उपस्थिति ऑडिट के साथ–साथ अधोसंरचना निरीक्षण और नेतृत्व, संकाय व कर्मचारियों से गहन संवाद सम्मिलित थे।

यह मील का पत्थर टीएचडीसीआईएल की संगठन के सभी स्तरों पर क्षमता विकास, उत्कृष्टता और राष्ट्र की "विकसित भारत 2047" की परिकल्पना में योगदान की संकल्पबद्धता को दर्शाता है। टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक) शैलेन्द्र सिंह ने इस विशिष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए, कंपनी द्वारा निरंतर अधिगम और व्यावसायिक विकास पर केंद्रित दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार मानव पूंजी विकास के क्षेत्र में टीएचडीसीआईएल की अग्रणी यात्रा का एक और स्वर्णिम अध्याय है।

दूरसंचार सलाहकार समिति (टीएसी) की बैठक आयोजित

देहरादून। राज्यसभा सांसद डॉ नरेश बंसल की अध्यक्षता में शुक्रवार को पटेल नगर स्थित बीएसएनएल कार्यालय में दूरसंचार सलाहकार समिति (टीएसी) की बैठक हुई। जिसमें दूरसंचार से संबंधित विभिन्न मुद्दों के समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

सांसद डॉ नरेश बंसल ने निर्देश दिए कि हर तीन माह में टीएसी की बैठक रखी जाए। देहरादून, उत्तरकाशी एवं टिहरी जनपद के जन प्रतिनिधियों को भी बैठक में शामिल किया जाए। जन प्रतिनिधियों से फीडबैक और शिकायतें लेकर बैठक से 15 दिन पूर्व ही बैठक का एजेंडा तैयार किया जाए। ताकि इस पर प्रभावी ढंग से चर्चा करते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

सांसद ने बीएसएनएल अधिकारियों को निर्देश दिए किए जनता की शिकायतों का तत्काल निस्तारण करें। उन्होंने जयतनवाला एवं नारायण वाला क्षेत्र मे बीएसएनएल का टावर लगाने के भी निर्देश दिए।

उजाला सिग्नस ने नितिन नाग को नियुक्त किया प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

काशीपुर (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तर भारत की अग्रणी स्वास्थ्य सेवा शृंखला, उजाला सिग्नस ने नितिन नाग को अपना नया प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है।

उनका नेतृत्व उजाला सिग्नस को अपने नेटवर्क विस्तार के अगले चरण में मार्गदर्शन प्रदान करने और अपने बाजारों में व्यापक नैदानिक देखभाल सुविधा प्रदान करने की रणनीतिक प्राथमिकता को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अमनदीप हॉस्पिटल्स के साथ साझेदारी के बाद, उजाला सिग्नस अब उत्तर प्रदेश, पंजाब, जम्मू–कश्मीर, उत्तराखंड और हरियाणा के टियर–2 और टियर–3 शहरों में लगभग 2,800 बिस्तरों वाले 26 अस्पतालों का एक बड़ा नेटवर्क बन चुका है। यह वंचित समुदायों को उच्च–गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने और पूरे उत्तर भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

भारत के टियर–2 और टियर–3 बाजारों में स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र में लगातार कई चुनौतियां आती रहती हैं। इन क्षेत्रों में मुख्य रूप से सरकारी अस्पताल और व्यक्तिगत चिकित्सकों द्वारा संचालित छोटे से मध्यम आकार के नर्सिंग होम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं। हालांकि, ये सुविधाएं प्राथमिक देखभाल प्रदान करने में अच्छा प्रदर्शन करती हैं, लेकिन इनमें अक्सर मल्टी–स्पेशियलिटी सेवाओं का अभाव होता है।

जिला प्रशासन का आइडिया, सीएम की प्रेरणा से जाम मुक्त शहर

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। दून में जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री के आधुनिक उत्तराखंड के विजन को साकार करते हुए ऑटोमेटिक मैकेनिकल पार्किंग योजना को मूर्त रूप दिया है। जिला चिकित्सालय कोरोनेशन, तिब्बती मार्केट और परेड ग्राउंड में तैयार की गई इन ऑटोमेटिक मैकेनिकल पार्किंग सुविधाओं का जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लोकार्पण करेंगे।

कोरोनेशन अस्पताल में ऑटोमेटिक पार्किंग शुरू हो चुकी है। यहां पर अस्पताल स्टाफ के वाहन स्वचालित रूप से पार्क हो रहे हैं। इससे मरीजों और तीमारदारों के लिए भू–स्तरीय पार्किंग में अतिरिक्त जगह की सुविधा मिल रही है। जिला प्रशासन ने परेड ग्राउंड में 96, तिब्बती मार्केट में 132 और कोरोनेशन में 18 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग बहुत ही छोटे

जगह पर निर्मित की गई है। इसकी खास बात ये भी है कि इन पार्किंग को अन्य स्थानों पर भी शिफ्ट किया जा सकता है। टेस्टिंग और ट्रायल कमीशनिंग पूरी होने के बाद ये पार्किंग शहर में जाम की समस्या से निजात दिलाने में कारगर साबित होंगी। जिलाधिकारी सविन बंसल ने पार्किंग के संचालन के लिए दो कुशल तकनीकी ऑपरेटर की तैनाती के साथ ही पार्किंग में वाहनों को किसी प्रकार का नुकसान होने पर पर बीमा कवर की सुविधा भी प्रदान की है। जिला प्रशासन का यह प्रयोग भविष्य में अन्य स्थानों पर ऐसी पार्किंग विकसित करने की दिशा में एक सफल कदम माना जा रहा है। इस अभिनव पहल से शहर में पार्किंग सुविधा में इजाफा के साथ यातायात दबाव कम होगा।

जिलाधिकारी की अगुवाई में जिला प्रशासन मुख्यमंत्री के आधुनिक उत्तराखंड विजन को साकार करने में जुटा है। राज्य में निर्मित पहली ऑटोमेटिक मैकेनिकल पार्किंग कोरोनेशन चिकित्सालय को हैंडओवर कर दी गई। तिब्बती मार्केट और परेड ग्राउंड में भी ऑटोमेटिक पार्किंग तैयार हो गई है।

ऑपरेशन कालनेमि के तहत एसएसपी मणिकांत मिश्रा की ढोंगी पीर-फकीरों पर बड़ी कार्रवाई

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंहनगर ' मणिकांत मिश्रा के नेतृत्व में ऑपरेशन कालनेमी के तहत ढोंगी पीर–फकीरों के विरुद्ध एक बड़ी और प्रभावी कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व में भी ऐसे तत्वों द्वारा गरीब, असहाय, पीड़ित और दुखी लोगों के शोषण पर चिंता व्यक्त करते हुए इस विषय पर ध्यान आकर्षित किया था, जिसके परिणामस्वरूप यह विशेष अभियान प्रारंभ किया गया। ऑपरेशन कालनेमी

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

के तहत ऊधमसिंहनगर जनपद में 66 ऐसे पीर–फकीरों को हिरासत में लिया गया है जो आपराधिक प्रवृत्ति के पाए गए हैं और आमजन को भ्रमित कर उनका शारीरिक, मानसिक या आर्थिक शोषण करते हैं। हिरासत में लिए गए लोगों में चुन्नू मियां पुत्र वहीद निवासी , टंडोला, थाना पूरनपुर, जनपद पीलीभीत, उत्तर प्रदेश, नाजिम पुत्र रिफागतअली निवासी गया, बिहार (हाल निवासी ट्रांजिट कैंप,), अफजल पुत्र इस्तखार मूल निवासी शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश (हाल निवासी थाना झनकईया, ऊधमसिंहनगर), परवेज पुत्र तालिब हुसैन निवासी ग्राम जमुनिया खास, थाना माधव टांडा, जनपद पीलीभीत, उत्तर प्रदेश, इम्तियाज अली पुत्र जफर अली निवासी खटीमा (हाल पता जनपद पीलीभीत, उत्तर प्रदेश),तारीख अहमद पुत्र हामिद निवासी थाना गजरौला, जनपद पीलीभीत, उत्तर प्रदेश, मोहम्मद आसिफ पुत्र असगर अली निवासी ग्राम जमुनिया, बीसलपुर, जनपद पीलीभीत एवं 66 अन्य संदिग्ध भी शामिल हैं। पुलिस द्वारा ऐसे कई पीर–फकीरों को भी चिन्हित किया गया है जो सीमावर्ती जनपदों जैसे रामपुर, बिजनौर, पीलीभीत या आसपास के कई अन्य जनपदों से आकर ऊधमसिंहनगर में अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं।

यह उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व ही ऊधमसिंहनगर जनपद में कुछ ऐसे पीर और बाबाओं को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, जिन पर बलात्कार और अनहोनी होने के नाम पर जबरदस्ती धन ऐंठने के गंभीर आरोप हैं।

13 July 2025_Copy of Layout 1 7/13/2025 2:54 PM Page 8

मसला सिर्फ पशु क्रूरता नहीं, मानवीय संवेदना काः जिलाधिकारी

डीएम पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक लेते हुए।

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। जानवरों पर अत्याचार की रोकथाम के लिए जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में जनपदीय पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक हुई। जिसमें पिछली बार लिए गए निर्णयों और कार्यान्वित गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा पशु क्रूरता के मामलों को कम करने और पशु कल्याण को बढ़ावा देने हेतु किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई।

जिलाधिकारी ने पशु कल्याण संगठनों, स्थानीय निकाय प्रशासन और पुलिस विभाग को बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा पशु क्रूरता के मामलों पर प्रभावी ढंग से कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि मसला सिर्फ पशु क्रूरता का नही है, मानवीय संवेदना का भी है। उन्होंने निर्देश दिए कि डॉग ब्रीडर्स एवं पेट शॉप का अनिवार्य रूप से पंजीकरणहो। उन्होंने मुख्य नगर अधिकारी, अधिशासी अधिकारियों और सीवीओ को सख्ती के साथ इसका अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कहा कि शहर में बिना पंजीकरण के अवैध तरीके संचालित पेट शॉप को तत्काल बंद कराया जाए। जिलाधिकारी ने एसडीएम की अध्यक्षता में सीवीओ, नगर निगम और खाद्य सुरक्षा अधिकारी की समिति गठित करते हुए नगर निकाय क्षेत्रान्तर्गत संचालित अपंजीकृत डेयरियों और अवैध मीट शॉप का भी विस्तृत सर्वे कराने के निर्देश दिए है। ताकि बिना पंजीकरण और लाइसेंस के संचालित अवैध मीट शॉप के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा सके। जिलाधिकारी ने गठित समिति को निर्देशित किया कि नगर क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मीट शॉप का सर्वे करते हुए 15 दिनों में इसकी रिपोर्ट उपलब्ध करें। जिलाधिकारी ने पशु क्रूरता रोकथाम के लिए पुलिस, पशु क्रूरता निवारण सोसायटी और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी की अलग से बैठक कर आपसी समन्वय के साथ व्यावहारिक समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश भी दिए।

चोटिल, बीमार पशुओं के परिवहन एवं उपचार के जिलाधिकारी ने मौके पर ही दो वाहनों की स्वीकृति प्रदान की। साथ ही इसके संचालन और रखरखाव के लिए पीआरडी से मैन पावर की तैनाती के निर्देश भी दिए। कहा कि सम्बन्धित विभाग आपस में समन्वय बनाते हुए आवारा पशुओं, दुर्घटना में घायल पशुओं के रखरखाव, टीकाकरण व दवाइयों आदि की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों हेतु 02 अतिरिक्त गौशाला अगले माह तक तैयार हो जानी चाहिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में घूमते आवारा श्वान की संख्या में कमी लाने के लिए श्वानों के बाध्यीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाए। नगर निकायों एवं जिला पंचायत क्षेत्रों में घुमन्तु पशुओं को गौशाला में रखने और कांजी हाउस, गौशाला व गौ–सदन में रखे पशुओं को उचित संरक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक मंचों पर पशु क्रूरता के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम भी आयोजित किए जाए।

मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में हरेला पर्व पर रिकॉर्ड बनाएगा उत्तराखंड

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। इस वर्ष हरेला पर्व पर उत्तराखंड पौधरोपण पर रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। इस दिन पूरे प्रदेश में एक ही दिन में 05 लाख से अधिक पौधे रोपे जाएंगे। जिसमें से गढ़वाल मंडल में 03 लाख और कुमाऊं मंडल में 02 लाख पौधे रोपण का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए शासन स्तर पर सभी तैयारियां दूरी कर ली गई हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर इस बार हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ और एक पेड़–माँ के नाम की थीम पर यह पौधरोपण आयोजित किया जाएगा। पूरे माह इस पर्व के तहत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस पौधरोपण अभियान की सफलता में ग्रामीणों से लेकर स्कूली छात्र और विभिन्न विभागों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए प्रमुख सचिव रमेश कुमार सुंधाशु की ओर से सभी जिलाधिकारियों को पत्र भी लिखा गया है। उत्तराखंड में हर साल जुलाई माह में हरेला पर्व का आयोजन किया जाता है। इस बार 16 जुलाई को यह पर्व मनाया जाएगा। यह पर्व प्रकृति को समर्पित है। ऐसे में इस पर्व पर आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को संपूर्ण प्रदेश में वृहद स्तर पर पौधरोपण आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। जिसके तहत संपूर्ण प्रदेश में पांच लाख पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है।

भक्ति मार्ग का 'संघर्ष' देता है, ईश्वर प्राप्ति का 'दिव्य उत्कर्ष': भारती

देहरादून। मिटा दे अपनी हस्ती को, गर कुछ मर्तबा चाहे, दाना खाक में मिलकर, गुले–गुलजार होता है। ईश्वर भक्ति का मार्ग एक भक्तात्मा से यही कुछ अपेक्षा रखता है। पूर्ण गुरु के कृपाहस्त तले जब 'ब्रह्मज्ञान' से जनित 'परमभक्ति' का मनुष्य के जीवन में पदार्पण होता है, तब! सदगुरूदेव भक्ति रूपी एक बीज का रोपण शरणागत के भीतर किया करते हैं, यह बीज परवान चढ़ने की दिशा में जब! बढ़ने लगता है, तब! स्वयं को मिटा देने की ललक से यह भरा हुआ होता है और अनेकानेक संघर्षों के जटिल पड़ावों को अपने जीवन दाता सदगुरू के सशक्त संरक्षण में पार करते हुए स्वयं को तपाता है, थकाता है, पकाता है।

पिटकुल कार्मिकों के लिए हुआ चिकित्सा शिविर का आयोजन

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। पिटकुल के कार्मिकों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत पिटकुल मुख्यालय में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

प्रबन्ध निदेशक पी0सी0 ध्यानी के दिशा–निर्देशों में पिटकुल, देहरादून में कार्यरत कार्मिकों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुये पिटकुल के मुख्यालय विद्युत भवन में कम्बाइन्ड मेडिकल इंस्टिट्यूट (सी0एम0आई0 हॉस्पिटल), देहरादून के सहयोग से चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। प्रबन्ध निदेशक पी0सी0 ध्यानी द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये चिकित्सालय के डॉक्टर एवं सहयोगी स्टॉफ का स्वागत किया गया तथा अवगत कराया गया कि प्रधानमंत्री के ''फिट इण्डिया मूवमेंट'' के नारे को साकार करने के लिये सभी कार्मिकों को समय–समय पर अपनी शारीरिक जाँचें अवश्य करानी चाहिए, जिससे यदि शरीर में कोई विकार हो तो समय पर उसकी पहचान कर उसका उपचार किया जा सके। प्रदेश के युवा एवं ऊर्जावान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदेश के सम्मानित नागरिकों को स्वस्थ रहने हेतु बारम्बार प्रेरित किया जाता रहता है। प्रबन्ध निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि कार्मिकों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुये पिटकुल में समय–समय पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता रहता है, जिसका लाभ उठाते हुये सभी कार्मिकों को समय–समय पर अवश्य ही स्वास्थ्य परीक्षण करवाना चाहिए। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि पिटकुल मुख्यालय, देहरादून के अतिरिक्त पिटकुल के अन्य कार्यालयों, उपकेन्द्रों में तैनात कार्मिकों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत कारपोरेशन द्वारा भविष्य में मुख्यालय से अन्यत्र स्थान पर भी चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जायेगा। चिकित्सा शिविर में चिकित्सालय के जनरल सर्जन डॉ0 गौरव एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ तनुश्री द्वारा कार्मिकों की जाँच कर परामर्श दिया गया।

न्यूज डायरी

तीन विकास खण्ड पोखरी, कर्णप्रयाग,दशोली 27 गांवों की आराध्य देवी मां चंडिका दिवारा यात्रा की तैयारियां लगातार जारी

चमोली। बीते रोज 11 जुलाई 2025 को सभी 27 गांवों के सहयोग से मां चंडिका के फर्श के लिए पूज्य क्यौंम वृक्ष के अंश को डोली में रख कर सभी भक्तों द्वारा बाध्य यंत्रों के साथ पैदल शोभा यात्रा सिवाई से मां चंडिका मन्दिर जिलासू में ले जाया गया। मन्दिर में भक्तों भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। मां चंडिका के फर्श को श्री दरमान सिंह रावत ग्राम सरणा द्वारा निर्मित किया जाएगा। कल सुबह को ही मां चंडिका ब्रह्म के लिए गडूना से बांसों को बनातोली सिवाई लाया गया। इस धार्मिक आयोजन में देवरा यात्रा समिति के अध्यक्ष श्री दिलबर सिंह चौहान सचिव ईश्वर सिंह राणा, उपाध्यक्ष श्री संदीप सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष श्री राजेंद्र सिंह रावत, सहसचिव श्री दर्शन सिंह पण्डित आचार्य श्री महादेव प्रसाद खाली व आचार्य श्री ललिता प्रसाद बेंजवाल, पुजारी समाज, दिवारा यात्रा समिति, सदस्य एरवाले और 27 बांदी गांवों के भक्त जन मौजूद रहे।

पेज 01 का शेष...

सरकार देवभूमि के देवत्व को अक्षुण्ण रखने को प्रतिबद्धः सीएम

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रीतम भरतवाण का यह प्रयास न केवल मां सुरकंडा की महिमा को जन–जन तक पहुंचाएगा, बल्कि हमारी नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने में भी अहम भूमिका निभाएगा। 52 शक्तिपीठों में से एक मां सुरकंडा देवी का मंदिर लोगों की श्रद्धा और शक्ति का केंद्र है। सदियों से यहां पर लोकगाथाएं गाई जाती रही हैं, जागर गाए जाते रहे हैं। आज, जब इस अमूल्य धरोहर को संगीत, चलचित्र, और सांस्कृतिक शिल्प के माध्यम से संजोया गया है, तो यह प्रयास अत्यंत ही सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि राज्य के लोग हमेशा अपनी जड़ों से जुड़े रहें और उत्तराखंड की लोक पंरपराओं को जन–जन तक पहुंचाने में अपना योगदान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की संस्कृति, परंपराएं और विरासत हमारी आत्मा का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज पूरे भारत में ''विकास भी और विरासत भी'' के उद्घोष के साथ जहां एक ओर अभूतपूर्व विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री केदारनाथ धाम एवं श्री बद्रीनाथ धाम में पुनर्निर्माण कार्यों के साथ ही मानसखंड के पौराणिक मंदिरों' के पुनरुत्थान एवं सौंदर्यीकरण हेतु करोड़ों की लागत से परियोजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

स्वत्वाधिकारी नजरिया खबर के लिए स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक गीता जायसवाल द्वारा श्रेष्ठा प्रिन्टर्स, वार्ड नं.03,पो.ओ. लालकुंआ जिला–नैनीताल, उत्तराखण्ड से मुद्रित तथा 14–डी मीडो प्लाजा, प्रथम तल राजपुर रोड देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित सम्पादक : विजय जायसवाल फोन नं. – 0135&2740930, 9837027458 RNI NO: UTTHIN/2008/25052 प्रकाशन सम्बन्धी सभी विवादों का निस्तारण सिर्फ देहरादून न्यायालय होगा। E-mail: nazariakhabar@gmail.com

Website : www.nazariyakhabar.com डाक पंजीयनः UA/DO/DDN/402/2017-19